समाज कार्य परामर्श में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
(पीजीडीकॉन)

सत्रीय कार्य : 2024–2025

पाठ्यक्रम शीर्षक

एम.एस.डब्ल्यू–001 : समाज कार्य का उद्गम और विकास
एम.एस.डब्ल्यू–012 : जीवन की विशेषताओं और चुनौतियों का परिचय
एम.एस.डब्ल्यू–013 : परामर्श के मनोवैज्ञानिक आधार का परिचय
एम.एस.डब्ल्यू–014 : परामर्श में सामाजिक वैयक्तिक कार्य की प्रासंगिकता
एम.एस.डब्ल्यू.–015: परामर्श के मूल तत्व
एम.एस.डब्ल्यू.–016: परामर्श के क्षेत्र

अध्ययन केंद्र में सत्रीय कार्य जमा कराने की अन्तिम तारीख:
जुलाई,2024 सत्र – 31 मार्च,2025
जनवरी,2025 सत्र – 30 सितम्बर,2025

इग्नू
जन-जन का विश्वविद्यालय

समाज कार्य विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110 068

प्रिय शिक्षार्थी,

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के समाज कार्य परामर्श में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीकॉन) कार्यक्रम में आपका स्वागत है। आपने समाज कार्य में स्नातकोत्तर होने के लिए यह कार्यक्रम एक उद्देश्य के साथ चुना है ताकि आप मानवजाति की सामाजिक दशाएं सुधार सकें।(पीजीडीकॉन)कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए, कृपया निम्नलिखित बातों का पालन करें:

अपना अध्ययन आरंभ करने से पहले कार्यक्रम दर्शिका को पढ़िए। इससे इग्नू के (पीजीडीकॉन) अध्ययन करने के बारे में आपके अधिकतर संदेह दूर हो जाएंगे।

- आप अपने सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र में समय पर जमा कराएं।
- अपने अध्ययन केंद्र और क्षेत्रीय केंद्र के संपर्क में रहें।
- क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षण के लिए अध्ययन केंद्र में अपने क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक से मिलें।

  परीक्षा फार्म समय पर भरें।

सत्रीय कार्य एक खुली किताब है और हम इग्नू में प्रत्येक पाठ्यक्रम के समग्र ग्रेड की गणना करते समय सत्रीय कार्यों के लिए 30% भारित देते हैं।**सत्रीय कार्य हस्तलिखित और स्वहस्ताक्षरित होने चाहिए**। सत्रीय कार्य–प्रतिक्रिया का एक अच्छा सेट तैयार करने के लिए आप उन सभी अध्यायों को पढ़े जिनमें से सवाल तैयार किए गए हैं। आप अपने सहकर्मी, शैक्षिक परामर्शदाताओं और प्रोफेसरों के साथ चर्चा करें, जिन्होंने आपको पढ़ाया है। मसौदा तैयार करें, उस पर आवश्यक सुधार करें और तब अंतिम संस्करण अध्ययन केंद्र में प्रस्तुत करने के लिए तैयार करें।

हर सवाल का जवाब देने के लिए नया पृष्ठ शुरू करें। लंबे और मध्यम जवाब देने के लिए एक परिचय, मुख्य भाग के लिए एक उप–शीर्षक और एक निष्कर्ष हो। प्रत्येक अनुच्छेद के बीच एक लाईन छोड़ें। आपके जवाब विशिष्ट हों और आपके अपने शब्दों में हो, यह किताब की नकल ना हो। आपके उत्तर इग्नू के पठन सामग्री पर आधारित हों। सत्रीय कार्य आपके सत्रांत परीक्षा की तैयारी है, इसलिए इसे गंभीरतापूर्वक लें।

डॉ. एन. रम्या
(कार्यक्रम समन्वयक)

समाज कार्य का उद्‌गम और विकास
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–001
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) भारत में समाज कार्य के इतिहास का पता लगाएँ। 20

अथवा

समाज क्रिया को परिभाषित करें। सामाजिक क्रिया के प्रमुख घटकों पर उदाहरणों सहित चर्चा करें। 20

2) समाज कार्य में पारिस्थितिकी तंत्र सिद्धांत के विकास पर चर्चा करें। 20

अथवा

भारत में समाज कार्य शिक्षा में मुक्त और दूरस्थ शिक्षा के इतिहास का पता लगाएँ। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **300** शब्दों में) दीजिएः

क) व्यवहार के प्रतिमान में समाज कार्य अनुसंधान पद्धति के योगदान की व्याख्या करें। 10

ख) सामुदायिक संगठन और सामुदायिक विकास के बीच अंतर बताएँ। 10

ग) समाज कल्याण प्रशासन के व्यवहार की संक्षेप में रूपरेखा बनाएँ। 10

घ) उदाहरण सहित सामाजिक वैयक्तिक कार्य के दायरे पर चर्चा करें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **150** शब्दों में) दीजिएः

क) समाज कार्य पेशे की विशेषताएँ क्या हैं? 5

ख) सामाजिक समूह कार्य की उत्पत्ति का वर्णन करें। 5

ग) समाज कार्य के उद्देश्यों की सूची बनाएँ। 5

घ) समाज कार्य ज्ञान के स्वदेशीकरण को परिभाषित करें। 5

ङ) NASW आचार संहिता को सूचीबद्ध करें। 5

च) एक सामाजिक कार्यकर्ता द्वारा निभाई जाने वाली विभिन्न भूमिकाओं पर प्रकाश डालें। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (लगभग **100** शब्दों में) लिखिएः

क) धर्मार्थ संगठन 4

ख) सामाजिक न्याय 4

ग) सामाजिक सुरक्षा 4

घ) सामाजिक कल्याण 4

ङ) सामाजिक सुधार आंदोलन 4

च) सामाजिक कानून 4

छ) सामाजिक सुरक्षा 4

ज) सामाजिक नेटवर्क 4

जीवन की विशेषताओं और चुनौतियों का परिचय
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–012
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) मानव विकास से आप क्या समझते हैं? मानव विकास के विभिन्न क्षेत्रों पर चर्चा करें। 20

या

किशोरों के विकास में साथियों के महत्व पर चर्चा करें। 20

2) भारतीय समाज में वयस्कों की भूमिकाओं पर विस्तार से चर्चा करें। 20

या

जराचिकित्सा परामर्श से आपका क्या अभिप्राय है? जराचिकित्सा सामाजिक कार्यकर्ताओं की भूमिका और जिम्मेदारी की व्याख्या करें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग **300** शब्दों में दीजिए:

क) शिशु अवस्था से जुड़े विभिन्न शारीरिक खतरों पर चर्चा करें। 10

ख) एरिक्सन के मनोसामाजिक विकास के सिद्धांत के अंतर्गत रेखांकित आठ विभिन्न चरण क्या हैं? 10

ग) पालन–पोषण क्या है? पालन–पोषण की विभिन्न शैलियों पर चर्चा करें। 10

घ) भारत में बुजुर्गों की बदलती जनसांख्यिकी पर प्रकाश डालें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लगभग **150** शब्दों में लिखिए:

क) लगाव से आपका क्या अभिप्राय है? लगाव विकास के चार चरणों को सूचीबद्ध कीजिए। 5

ख) परिवार किस प्रकार सामाजिक विकास का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है? 5

ग) किशोरों में पहचान के संकट से आप क्या समझते हैं? 5

घ) भारत में जनसंख्या वृद्धावस्था के क्या निहितार्थ हैं। 5

ङ) भारत में प्रचलित मानव जीवन चक्र के आश्रम सिद्धांत पर चर्चा कीजिए। 5

च) परिघटना सिद्धांत क्या है? उपयुक्त उदाहरणों के साथ समझाइए। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच पर लगभग **100** शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए:

क) लोकोमोटर कौशल 4

ख) लिंग–अनुचित शारीरिक गठन 4

ग) भावनात्मक अभाव 4

घ) सामाजिक खतरा 4

ङ) बदमाशी 4

च) मनोवैज्ञानिक आयु 4

छ) अपचय संबंधी प्रतिक्रियाएँ 4

ज) सामाजिक विपणन 4

परामर्श के मनोवैज्ञानिक आधार का परिचय
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–013
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) सामाजिक मनोविज्ञान को परिभाषित करें। उपयुक्त उदाहरणों के साथ इसकी प्रकृति, दायरा और महत्व की व्याख्या करें। 20

या

समूहों की गतिशीलता की अवधारणा और परिभाषा का वर्णन करें। इसके घटकों पर संक्षेप में चर्चा करें। 20

2) मनोवैज्ञानिक विकास के आठ चरणों को उपयुक्त उदाहरणों के साथ रेखांकित करें। 20

या

सामाजिक मनोविज्ञान में सामाजिक गतिशीलता और अंतःक्रियाओं से आप क्या समझते हैं?प्रासंगिक उदाहरणों के साथ चर्चा करें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 300 शब्दों में दें:

क) विविधता का अर्थ और विविधता की प्रकृति को परिभाषित करें। 10
ख) विविधता के प्रकारों का उदाहरण सहित वर्णन करें। 10
ग) दृष्टिकोण की विशेषताओं को सूचीबद्ध करें। 10
घ) अंतर–व्यक्तिगत आकर्षण में कौन से कारक योगदान करते हैं? चर्चा करें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए:

क) असामान्यता की अवधारणा की व्याख्या करें। 5
ख) रूढ़िवादिता की विशेषताओं को सूचीबद्ध करें। 5
ग) मनोभ्रंश के कारणों पर संक्षेप में चर्चा करें। 5
घ) मनोविज्ञान की प्रमुख शाखाएँ क्या हैं? संक्षेप में समझाएँ। 5
ङ) विभिन्न क्षेत्रों में सामाजिक मनोविज्ञान के अनुप्रयोगों पर प्रकाश डालें। 5
च) व्यक्तित्व के नैदानिक महत्व का वर्णन करें। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं पांच पर लगभग 100 शब्दों में संक्षिप्त नोट्स लिखें:

क) शराबखोरी 4
ख) सामाजिक अधिगम सिद्धांत 4
ग) सामाजिक विविधता और सामाजिक कार्य 4
घ) समूह सामंजस्य 4
ङ) संघर्ष समाधान के दृष्टिकोण 4
च) चिकित्सीय त्रय 4
छ) भाषाई विविधता 4
ज) जातिवाद 4

परामर्श में सामाजिक वैयक्तिक कार्य की प्रासंगिकता
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–14
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) वैयक्तिक कार्य को परिभाषित करें। सामाजिक वैयक्तिक कार्य के विभिन्न घटकों को विस्तार से बताएं। 20

या

वैयक्तिक कार्य प्रक्रिया के दौरान उपयोग किए जाने वाले विभिन्न कौशल और तकनीकों की व्याख्या करें। 20

2) स्वास्थ्य देखभाल सेटिंग्स में सामाजिक वैयक्तिक कार्य का वर्णन करें। 20

या

साक्षात्कार के कौशल और तकनीकों पर चर्चा करें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं दो का उत्तर लगभग 300 शब्दों में दीजिएः

क) वैयक्तिक कार्य और परामर्श के बीच समानता और अंतर का वर्णन करें। 10
ख) वैयक्तिक कार्य क्लाइंट संबंध के मार्गदर्शक सिद्धांतों को सूचीबद्ध करें। 10
ग) वैयक्तिक कार्य अभ्यास के क्षेत्रों की व्याख्या करें। 10
घ) सामाजिक वैयक्तिक कार्य में दस्तावेजीकरण और रिकॉर्डिंग के महत्व को स्पष्ट करें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 150 शब्दों में दें:

क) सामाजिक वैयक्तिक कार्य प्रक्रिया के विभिन्न चरणों की व्याख्या करें। 5
ख) वैयक्तिक कार्य की उत्पत्ति और विकास का वर्णन करें। 5
ग) वैयक्तिक कार्य की तकनीक के रूप में परामर्श कैसे काम करता है? व्याख्या करें। 5
घ) भारत में सामाजिक वैयक्तिक कार्य अभ्यास में क्या रुझान हैं? 5
ङ) साक्षात्कार की प्रक्रिया पर प्रकाश डालें। 5
च) सामुदायिक भागीदारी के मॉडल सूचीबद्ध करें। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच पर लगभग 100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए:

क) सहानुभूति 4
ख) सामाजिक निदान 4
ग) अवलोकन 4
घ) सुधारात्मक वैयक्तिक कार्यकर्ता 4
ङ) वैयक्तिक कार्यकर्ता का स्वदेशीकरण 4
च) अनुपस्थिति 4
छ) पारिवारिक थेरेपी 4
ज) सामुदायिक वैयक्तिक कार्यकर्ता 4

परामर्श की मूल बातें
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–15
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) परामर्श की प्रक्रिया का वर्णन करें? 20

अथवा

परामर्श प्रक्रिया के सफल समापन में परामर्श उपकरणों की भूमिका पर प्रकाश डालें। 20

2) सहायक मनोचिकित्सा क्या है? सहायक मनोचिकित्सा के घटकों और तकनीकों पर चर्चा करें। 20

अथवा

परामर्श के विभिन्न मॉडलों का वर्णन करें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **300** शब्दों में) दीजिएः

क) परामर्श के आवश्यक तत्वों की व्याख्या करें? 10

ख) परामर्श में पर्यवेक्षण पर संक्षेप में चर्चा करें। 10

ग) परामर्श के लक्ष्यों का वर्णन करें। 10

घ) बच्चों के साथ खेल चिकित्सा के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **150** शब्दों में) दीजिएः

क) वैवाहिक परामर्श में चरणों की सूची बनाएँ? 5

ख) परामर्श में नैतिकता का वर्णन करें। 5

ग) नाबालिगों को परामर्श देने के कानूनी निहितार्थों की व्याख्या करें। 5

घ) परामर्श और मनोचिकित्सा के बीच प्रमुख अंतरों पर प्रकाश डालें? 5

ङ) व्यावसायिक संबंधों की कुछ सामान्य विशेषताएँ क्या हैं? 5

च) एक अच्छे परामर्शदाता के लिए आवश्यक कौशलों का उल्लेख करें। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (लगभग **100** शब्दों में) लिखिएः

क) सहानुभूति 4

ख) सूचित सहमति 4

ग) व्यक्ति केंद्रित चिकित्सा 4

घ) लेन–देन संबंधी विश्लेषण 4

ङ) शक्ति की प्रकृति की अवधारणा 4

च) पारिवारिक परामर्श 4

छ) गोपनीयता 4

ज) अनुवर्ती कार्रवाई 4

परामर्श के क्षेत्र
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–16
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) आत्महत्या व्यवहार के आकलन और प्रबंधन पर चर्चा करें। 20

अथवा

मानसिक स्वास्थ्य अभ्यास मॉडल की मुख्य विशेषताओं पर प्रकाश डालें। 20

2) समय प्रबंधन तकनीक और रणनीति प्रस्तुत करें। 20

अथवा

किशोरों के साथ परामर्श हस्तक्षेप का विवरण दें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **300** शब्दों में) दीजिएः

क) युगल परामर्श की मुख्य विशेषताओं की व्याख्या करें। 10

ख) HIV/AIDS परीक्षण रोगियों के साथ परीक्षण पूर्व और परीक्षण पश्चात परामर्श की आवश्यकता पर चर्चा करें। 10

ग) दुःख और शोक परामर्शदाता की भूमिका और कार्यों का वर्णन करें। 10

घ) कानून के साथ संघर्ष में बच्चों के लिए परामर्श आवश्यकताओं को प्रस्तुत करें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **150** शब्दों में) दीजिएः

क) परामर्शदाता की विभिन्न भूमिकाओं का उल्लेख करें। 5

ख) पारिवारिक समस्याओं से उबरने के तरीकों को सूचीबद्ध करें। 5

ग) परामर्श के लिए क्या मानक अपनाए जाते हैं। 5

घ) देखभाल करने वालों को परामर्श देने की जरूरतों का उल्लेख करें। 5

ङ) पुनर्वास परामर्श और अन्य परामर्श के बीच अंतर बताएँ। 5

च) कैरियर के निर्णयों को प्रभावित करने वाले कारकों की व्याख्या करें। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (लगभग **100** शब्दों में) लिखिएः

क) लैंगिकता 4

ख) उपशामक देखभाल 4

ग) शोक परामर्श 4

घ) उदार परामर्श 4

ङ) कैरियर डेवलपर 4

च) लिंग स्कीमा सिद्धांत 4

छ) जेल में परामर्श 4

ज) आश्वासन 4